All India Women's Conference at Chandigarh

*221. SHRI SHRI CHAND GOYAL :
DR. SUSHILA NAYAR :

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that in its 37th annual conference held at Chandigarh, the All India Women's Conference has unanimously adopted a Resolution resolving to work for national integration ; and

(b) whether Government have framed any policy to utilise their services for the solution of this national problems ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : (a) and (b). While no specific resolution was passed by the All India Women's Conference to work for national integration, many of the resolutions adopted call for efforts towards national integration. The Conference has also requested their branches, spread all over India to hold seminars and meetings to urge the promotion of national integration and discourage parochialism. A scheme is being prepared for the approval of the Standing Committee of the National Integration Council to give grants to voluntary organisation for carrying on specific activities which promote national integration.

निःशुल्क प्राथमिक, माध्यमिक तथा विश्व-विद्यालय शिक्षा

*222. श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
श्री रा० कृ० सिंह :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जिन राज्यों में प्राथमिक स्तर/माध्यमिक स्तर तथा विश्वविद्यालय स्तर पर निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है उनके नाम क्या हैं ; और

(ख) क्या देश भर में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में निःशुल्क शिक्षा देने के लिए कोई कार्यवाही की जा रही है ?

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री (डा० वी० के० आर० वी० राव) : (क) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है [पुस्तकालय में रख दिया गया। देखिये संख्या LT—157/69]

(ख). जी, नहीं।

Participation by India in Pakistan International Hockey Tournament

*223. SHRI B. K. DASCHOWDHURY : Will the Minister of EDUCATION be pleased to state :

(a) Whether India is taking part in First Pakistani International Hockey Tournament ; and

(b) if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES (DR. V. K. R. V. RAO) : (a) No, Sir.

(b) Government is of the view that Indian Sports teams should be properly trained before they go out to participate in International tournaments. All the facts available with the Ministery indicate that on account of the shortage of time, the Indian Hockey Federation will not be able to assemble and train a good hockey team to go to Pakistan for participation in the tournament commencing from 8th March, 1969.

Development of Tourism

*224. SHRI HIMATSINGKA :
SHRIMATI SAVITRI SHYAM :

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) since the contribution of the tourist industry to India's foreign exchange earnings (only Rs. 29 crores out of Rs. 1100 crores) falls short of its potential, whether a comprehensive plan for the development of tourism under the Fourth Five Year Plan has been chalked out;

(b) if so, the targets laid down with regard to hotel bed capacity and other aspects of tourism; and

(c) the allocations made for the development of tourist spots for each State and the major spots proposed to be developed in each State under this scheme ?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH) : (a) In India's total foreign exchange earnings of Rs. 1192.80 crores in 1967, the contribution of tourism is Rs. 25.23 crores.

Comprehensive schemes for the development of tourist infrastructure and for stepping up tourist promotion and publicity abroad have been drawn up for the Fourth Five Year Plan period, but their implementation will depend upon the final allotment and resources.

(b) and (c). The details are being worked out and will be finalised after the Plan outlay in the Central and State Sectors has been approved.

सरकारी कर्मचारियों को हिन्दी का पढ़ाया जाना

*225. **श्री यशपाल सिंह** : क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) गृह-कार्य मंत्रालय के तत्वावधान में केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को हिन्दी पढ़ाने के संबंध में अब तक क्या प्रगति हुई है ;

(ख) कितने प्रतिशत कर्मचारियों ने हिन्दी परीक्षाओं में अर्हता प्राप्त कर ली है और शेष कर्मचारियों को हिन्दी की शिक्षा देने तथा हिन्दी के प्रसार के लिए क्या कार्यक्रम तैयार किया गया है ; और

(ग) जिन कर्मचारियों ने हिन्दी सीख ली है उनके हिन्दी के व्यवहारिक ज्ञान को बनाये रखने के लिये क्या कार्यवाही की गयी है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) और (ख). गृह मंत्रालय की हिन्दी शिक्षण-योजना के अन्तर्गत अब तक लगभग 2,19,000 कर्मचारियों ने हिन्दी की एक या एक से अधिक निर्धारित परीक्षाएं पास कर ली हैं।

अभी तक उपलब्ध सूचना के अनुसार लगभग 3 लाख कर्मचारियों को हिन्दी में प्रशिक्षण दिया जाना शेष है। उन में से अधिकांश या तो प्रचालन कर्मचारी (आपरेशनल स्टाफ) हैं या वे ऐसे स्थानों पर नियुक्त हैं, जहां हिन्दी-शिक्षण योजना के अन्तर्गत हिन्दी में प्रशिक्षण की सुविधा नहीं है। जनवरी 1969 से हिन्दी प्रबोध परीक्षा का एक पत्राचार पाठ्यक्रम शुरू किया गया है ताकि ऐसे कर्मचारी निजी तौर पर हिन्दी सीख सकें। उनके लिये निजी प्रयत्नों से हिन्दी की परीक्षाएं पास करने पर एकमुश्त पुरस्कार की राशि हाल ही में बढ़ा दी गई है।

(ग) संघ के सरकारी प्रयोजनों के लिये हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं का प्रयोग किया जा सकता है। केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को टिप्पण और आलेखन में इन में से किसी भी भाषा के प्रयोग करने की छूट है। केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में हिन्दी के बढ़ते हुए प्रयोग से कर्मचारियों को हिन्दी के ज्ञान को बनाये रखने में अधिक अवसर प्राप्त होंगे।

Parliament Machinery to deal with Grievances of Central Government Employees.

*226. SHRI J.M. BISWAS :
SHRI BHOGENDRA JHA :
DR. RANEN SEN :
SHRI YOGENDRA SHARMA :

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the proposal to set up a permanent machinery to deal with grievances of the Central Government employees has been finalised ;